an>

Title: Constitution of a Task Force to check the Illegal Mining in Haryana

श्री बृजेन्द्र सिंह (हिसार): सभापति महोदय, मैं 19 जुलाई की एक बड़ी दुखद घटना की ओर आपका और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । 19 तारीख को नूंह के इलाके में एक सीनियर पुलिस ऑफिसर सुरेंद्र सिंह, डीएसपी, हरियाणा की बड़ी नृशंस हत्या माइनिंग माफिया द्वारा कर दी गई । मैं अपनी प्रदेश सरकार का आभारी हूँ, जिन्होंने उस परिवार को कॉम्पनसेशन दिया और इस मामाले पर एक ज्यूडिशल इंक्वॉयरी भी ऑर्डर कर दी है । लेकिन मैं आपके माध्यम से यहां भारत सरकार के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि यह न तो इस तरह का पहला वाकया है और न ही आखरी है । न यह इकलौती हरियाणा की समस्या है, यह जहां भी माइनिंग है, चाहे वह रेत की हो, चाहे वह पत्थर की हो, चाहे वह किसी भी मेटल और मिनरल्स की हो, जहां भी इल्लिगल माइनिंग है, वहां पर यह एक बहुत बड़ा खतरा पूरे देश में बन चुका है और इसका असर न सिर्फ अर्थव्यवस्था पर, बल्कि पर्यावरण पर और जो इकोलॉजी है, उसके ऊपर भी है । इसलिए आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इसको भी एक राष्ट्रीय समस्या मान कर और जिस प्रकार से एनआईए का गठन आतंकवाद के केसों से डील करने के लिए किया गया है, यह माइनिंग भी किसी एक प्रदेश तक सीमित नहीं है, पूरे देश में इसका संचालन है । मेरा अनुरोध है कि केंद्र सरकार इस पर संज्ञान ले और किसी प्रकार की एक टास्क फोर्स बनाई जाए । मैं समझता हूँ कि पुलिस स्टेट का मुद्दा है, लेकिन एनआईए की तर्ज़ पर यदि कोई टास्क फोर्स बनाई जाए तो इस इल्लिगल माइनिंग को काबू करने के लिए वह काफी कारगर साबित हो सकती है ।